राम आ गए धन्य भाग सबरी मुस्काये

राम आ गए, धन्य भाग शबरी मुस्काये।
आँखों में प्रेम आंसू,
चरणों को धो रही है,
मारे ख़ुशी के शबरी,
व्याकुल सी हो रही है,
क्या लाऊँ क्या खिलाऊँ,
कुछ भी समझ ना आए,
राम आ गये,
धन्य भाग्य शबरी हर्षाए ॥

वन से जो तोड़कर वो,
दोना में बेर लायी,
सकुचा के मन में शबरी,
श्री राम को बढ़ाई,
श्री राम को दिया जब,
तो भी लखन ना खाए,
राम आ गये,
धन्य भाग्य शबरी हर्षाए ॥

राम आ गए,
धन्य भाग्य शबरी हर्षाए ॥

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33942/title/Ram-aa-gye-dhanya-bhag-shabri-muskaye

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |